VISIONIAS

www.visionias.in

Classroom Study Material

सुरक्षा

September 2016 – October 2016

Copyright © by Vision IAS

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of Vision IAS.

विषय सूची

1. उरी हमला और सर्जिकल अटैक ____ 3

2. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय ____ 5

3. आर्मी डिजाइन ब्यूरो ____ 6

4. बिटक्वायन ____ 7

5. राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र (NCCC) ____ 8

6. मोरमुगाओ ____ 9

7. वायुवाहित पूर्व चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली ____ 10

8. काले धन पर अंकुश लगाने हेतु SIT द्वारा पी-नोट्स आंकड़ों की छानबीन ____ 11

9. स्टार्टअप वित्तपोषण के लिए साइबर सिक्यूरिटी प्लेटफ़ॉर्म ____ 12

10. भारत-चीन संयुक्त सैन्य अभ्यास ____ 13

1. उरी हमला और सर्जिकल अटैक

(URI ATTACK AND SURGICAL STRIKES)

18 सितंबर को जैश-ए-मोहम्मद फिदायीन समूह ने भारतीय सेना के 12-ब्रिगेड प्रशासनिक स्टेशन पर हमला कर 19 सैनिकों की हत्या कर दी। इसमें मारे गए आतंकवादियों के पास से जब्त GPS से प्राप्त आंकड़े वस्तुतः इस हमले में पाकिस्तान के शामिल होने की ओर इशारा करते हैं। फिदायीन आतंकियों ने नियंत्रण रेखा (LoC) के पास उरी में स्थित सेना के शिविर पर हमला किया। यह "जैश-ए-मोहम्मद तंजीम" के लड़ाकों के द्वारा भारतीय सेना पर कश्मीर में किया गया सबसे बड़ा हमला था।

अन्वेषण

- राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) ने उरी हमले की जाँच शुरू कर दी है।
- NIA ने आतंकियों के DNA के नमूने इकट्ठा किए हैं। जनवरी में हुए पठानकोट एयरबेस हमलों से इसकी समानता की भी जाँच की जाएगी।

खुफिया मोर्चे पर शून्य (Vacuum) की स्थिति

- जुलाई में एक मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिद्दीन कमांडर बुरहान वानी की मृत्यु के बाद से दक्षिणी कश्मीर में काफी लम्बे समय तक तनाव बना रहा।
- तीन महीने की अशांति ने **खुफ़िया मोर्चे पर एक बड़ी शून्य की स्थिति** उत्पन्न कर दी है तथा कई क्षेत्रों में कर्फ्यू के कारण मुखबिरों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है।
- कश्मीर में जारी अशांति ने सेना के **रूटीन मूवमेंट और ऑपरेशन** के साथ खुफ़िया जानकारी जुटाने को भी प्रभावित किया है।

घुसपैठ का स्पष्ट रूप से बढ़ जाना

- न केवल हिंसक विरोध प्रदर्शन बल्कि हिजबुल मुजाहिद्दीन कमांडर बुरहान वानी की हत्या के बाद से घुसपैठ में भी स्पष्ट रूप से वृद्धि देखी गयी है।
- LeT के घुसपैठिये आतंकी घाटी में युवाओं में बढ़ते क्रोध और हताशा को और बढ़ाकर उन्हें प्रभावी आतंकी समूह की तरह तैयार करने की कोशिश में लगे हैं।

उरी हमले के खिलाफ भारत की प्रतिक्रिया

A. कूटनीतिक

उरी हमले के मद्देनजर भारत सरकार ने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और पड़ोसी देशों में कूटनीतिक कार्यवाई की शुरुआत की है।

- भारत ने अफगानिस्तान, भूटान और बांग्लादेश के साथ मिलकर इस्लामाबाद में नवंबर में होने वाले SAARC सम्मेलन से बाहर रहने का फैसला किया।
- भारत के विदेश सचिव ने पाकिस्तान के उच्चायुक्त को तलब कर उरी हमले से सम्बंधित सबूत साझा किये, जिसे इस्लामाबाद ने अस्वीकार कर दिया।
- भारत ने **सिन्धु जल संधि** की समीक्षा करने का फैसला किया है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि कम-से-कम वर्तमान समय में सिन्धु जल संधि पर पूर्ववत स्थिति बरक़रार रखी जाएगी। जबकि केंद्र ने सिन्धु नदी के जल के अनुकूलतम उपयोग की एक सूची बनाई है, जिसे लागू करने में भारत अब तक नाकाम रहा है।
- **सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र** (मोस्ट फेवर्ड नेशन: MFN) के प्रावधानों की समीक्षा करते हुए सरकार ने संकेत दिया है कि यह सामान्य व्यापारिक गतिविधि की स्थितियाँ नहीं है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा में विदेश मंत्री ने अपने भाषण में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरा। उन्होंने दुनिया के विभिन्न देशों को बताया कि भारत को अपने शांति पहलों के प्रतिक्रिया स्वरुप सीमा पार आतंकवाद ही मिला है। उन्होंने **बलूचिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघन** का मुद्दा भी उठाया।

B. सैन्य प्रतिक्रिया

भारत ने नियंत्रण रेखा के पार आतंकी कैम्पों को लक्षित करते हुए सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया है। यह पहला मौका है जब भारत ने खुले तौर पर घोषणा की है कि उसने नियंत्रण रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक किया है। इसी तरह का स्ट्राइक 2015 में NSCN (K) के उग्रवादियों के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा म्यांमार की सीमा पर किया गया था।

- भारतीय कमांडो ने नियंत्रण रेखा के पार तीन किलोमीटर की दूरी पर भिमवर, हॉटस्प्रिंग, केल और लीपा क्षेत्रों में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया। ये स्थान सीमा रेखा से 500 मीटर से 2 किलोमीटर की दूरी पर हैं।

VISION IAS

- सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान 7 आतंकी लांच पैड को नष्ट कर दिया गया।
- सीमा रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक कथित तौर पर भारतीय सेना के पैरा कमांडो और इसके घातक प्लाटूनों के द्वारा किया गया।

सर्जिकल स्ट्राइक क्या है?

सैन्य दृष्टि से सर्जिकल स्ट्राइक एक ऐसा ऑपरेशन है जो किसी विशेष लक्ष्य तक सीमित रह कर स्पष्ट व प्रमाणित क्षति पहुंचाने के इरादे से की जाती है। इसमें कोलैटरल डैमेज शून्य या नगण्य रहता है।

- सेना की भाषा में यह एक छोटी इकाई द्वारा तीव्र गति से किया गया ऑपरेशन या एक स्पष्ट लक्षित मिसाइल भी हो सकता है। वायुसेना की भाषा में सर्जिकल स्ट्राइक वस्तुतः किसी क्षेत्र में किए जाने वाले कारपेट बमबारी के विपरीत यह एकल भवन या वाहन को निशाना बनाने वाला एक एयरक्राफ्ट टारगेटिंग (अर्थात् वायुयान से साधे जाने व किए जाने वाले हमले) भी हो सकता है।

भारत के सर्जिकल स्ट्राइक पर वैश्विक प्रतिक्रिया

इसे पूरे विश्व में जोरदार मौन स्वीकृति मिली। इसने अपनी सीमाओं के बाहर से होने वाले सशस्त्र हमलों से रक्षा करने के किसी राष्ट्र के अंर्तनिहित अधिकार की वर्धित स्वीकृति को दोहराया।

- आत्मरक्षा के अधिकार का परंपरागत अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अंतर्गत प्रयोग किया जा सकता है।
- संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अंतर्गत, राज्य अनुच्छेद 51 का सहारा ले सकता है और सशस्त्र हमले का शिकार होने पर बलप्रयोग कर सकता है।

संबंधित मिथक

- **भारत ने पाकिस्तान के परमाणु कार्ड को आमंत्रित किया है।** वास्तव में, यह सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार एक ऑपरेशन है।
- सर्जिकल स्ट्राइक इस बात का प्रमाण है कि भारत के पास भूमि पर या हवा से गंभीर दंडात्मक हमलों के लिए सक्रिय सामरिक विकल्प और क्षमता मौजूद है। बल्कि, नियंत्रण रेखा के पार हेलीकॉप्टर्स का उपयोग न करते हुए केवल विशेष बलों का उपयोग करने की योजना सावधानी से बनाई गई थी। इसे गंभीर गुप्त विशेष ऑपरेशन का संचालन करने की क्षमताओं वाले विशेष बल के हमले के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।
- **भारत सरकार ने पाकिस्तान के प्रति सामान्य रणनीति के रूप में सामरिक संयम छोड़ दिया है।**
  सामरिक संयम: इस बात को लेकर बहुत भ्रम है कि सामरिक संयम का क्या अर्थ है। इसका अर्थ "कुछ भी नहीं करना" नहीं है। इसका अर्थ इस प्रकार से उत्तर देना है कि जो संभाव्य रूप से भारत के लिए रणनीतिक रूप से महंगा न बन जाए। इसका अर्थ इस प्रकार से उत्तर देना नहीं है कि जिसमें न केवल मानवीय और आर्थिक लागत वाले व्यापक पारंपरिक युद्ध का जोखिम निहित हो बल्कि साथ ही परमाणु उपयोग का जोखिम भी निहित हो यदि युद्ध अंतरराष्ट्रीय सीमा के आर-पार हो।

भारत सरकार इस ऑपरेशन की रक्षात्मक और ऐकांतिक रूप से योजना बनाई, इसे समय और दायरे के हिसाब से सीमित रखा और पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को लक्षित करने से बचकर, सावधानीपूर्वक सामरिक संयम के मापदंडों के भीतर बनी रही।

सर्जिकल स्ट्राइक के निहितार्थ

- यदि पाकिस्तान को यह आशंका है कि तेजतर्रार भारतीय राष्ट्रवाद अनुपात से अधिक प्रतिक्रिया प्रेरित कर सकता है तो यह अधिक दुस्साहसी पाकिस्तानी हमलों के लिए निवारक उत्पन्न कर सकता है। वहीं दूसरी ओर, तेजतर्रार राष्ट्रवादी नेताओं को प्रतिक्रिया तीव्र करने के लिए विवश कर सकता है, जब ऐसा करना राष्ट्रीय हित में न हो।
- फिर भी, जहां सामरिक संयम अभी भी महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में बना रह सकता है, वहीं वासविकता में सैन्य रूप से "कुछ भी न करने" का युग समाप्त हो सकता है।
- भारत ने धुर विरोधी घरेलू राजनीतिक बलों को संतुष्ट करने वाले जबकि और आगे बढ़ने का जोखिम लेने से बचने वाला 'कुछ भी न करने" और सामरिक संयम छोड़ने के बीच संतुलन पा लिया है।
- सर्जिकल स्ट्राइक ने पाकिस्तान को दिखा दिया है कि अब उसे भविष्य में संभावित भारतीय प्रतिक्रियाओं पर विचार करना चाहिए।

जिस प्रकार यह अत्यधिक उत्कृष्ट ऑपरेशन कल्पित, नियोजित, निष्पादित और प्रबंधित किया गया, इसके लिए भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान अति प्रशंसा के योग्य हैं। जहां सामरिक स्तर पर और कथित तौर पर यह स्ट्राइक अत्यधिक सफल रहा, वहीं इसने भारत और पाकिस्तान के बीच मूलभूत रणनीतिक गतिशीलता में परिवर्तन नहीं किया।

पाकिस्तान की प्रतिक्रिया

पाकिस्तान ने पाक अधिकृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक की किसी भी घटना का खंडन किया है। पाकिस्तानी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारतीय दावे को खारिज करते हुए इसे पूर्णतः निराधार और बेबुनियाद करार दिया है।

VISION IAS

2. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय

(COMPREHENSIVE CONVENTION ON INTERNATIONAL TERRORISM)

सुर्ख़ियों में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) में अपने भाषण में भारतीय विदेश मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक अभिसमय (CCIT) को त्वरित रूप से अंगीकृत करने के लिए विश्व समुदाय से अपील की।

यह क्या है?

- CCIT का मसौदा 1996 में भारत द्वारा तैयार किया गया था, यह एक प्रस्तावित संधि है जो आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक कानूनी ढांचा प्रदान करती है।
- इसके प्रमुख उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

✓ आतंकवाद की एक सार्वभौमिक परिभाषा हो, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा के सभी 193 सदस्य अपने आपराधिक कानून में शामिल करें।

✓ सभी आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगे और आतंकी शिविरों को बंद किया जाए।

✓ विशेष कानूनों के तहत सभी आतंकवादियों पर मुकदमा चलाया जाए।

✓ सीमा पार आतंकवाद को दुनिया भर में एक प्रत्यर्पणीय अपराध बनाया जाए।

CCIT को अंगीकृत करने में बाधा

इसे अभी संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंगीकृत किया जाना बाकी है। आतंकवाद के खिलाफ एक व्यापक नीति अपनाने की राह में आने वाली चुनौतियों में शामिल हैं:

- खतरे की पहचान में अंतर- हालांकि भारत लंबे समय से आतंकवाद से प्रभावित रहा है, विकसित देशों ने केवल 9/11 के बाद ही इस खतरे को संज्ञान में लिया।
- आतंकवाद का मुकाबला करने में राज्यों की क्षमता में अंतर, मानव अधिकारों और कानून के शासन को सुनिश्चित करने से संबंधित मुद्दों द्वारा भी एक व्यापक नीति अपनाए जाने में जटिलता आयी है।

CCIT का प्रभाव

हालांकि आतंकवाद पर अभिसमय अपनाने की बात को आम सहमति द्वारा टाल दिया गया, लेकिन बातचीत के बाद निम्नलिखित परिणाम सामने आए हैं:

- आतंकवादी बम विस्फोट के दमन पर अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय, 15 दिसंबर 1997 को अंगीकृत;
- आतंकवाद के वित्तपोषण के दमन पर अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय, 9 दिसंबर 1999 को अंगीकृत; तथा
- परमाणु आतंकवाद के कृत्यों के दमन पर अंतर्राष्ट्रीय अभिसमय, 13 अप्रैल 2005 को अंगीकृत।
- संयुक्त राष्ट्र वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति 2006 में अंगीकृत।

VISION

3. आर्मी डिजाइन ब्यूरो

(ARMY DESIGN BUREAU)

सुर्खियों में क्यों?

भारतीय सेना ने आर्मी डिजाइन ब्यूरो की स्थापना की औपचारिक घोषणा की है।

यह क्या है?

- यह भारतीय सेना के अंतरफलक (Interface) की तरह कार्य करेगा जो सेना की आवश्यकताओं की बेहतर समझ प्रदान करेगा।
- यह शिक्षण संस्थाओं, अनुसंधान संस्थाओं और अत्याधुनिक रक्षा उत्पाद निर्माता उद्योगों के लिए एकल संपर्क बिन्दु की तरह कार्य करेगा।

इसकी आवश्यकता क्यों है?

- इसके पीछे मुख्य विचार स्वदेशी तकनीकी जानकारी (अर्थात् अनुभव) को विकसित करने के लिए शिक्षण संस्थाओं और उद्योगों को एक साथ लाना है, और इस हेतु सेना अपनी दीर्घकालिक योजना के कुछ भाग को साझा करने के लिए तैयार है।
- प्राथमिक रूप से यह खरीद प्रक्रिया को तेज करने और द्वितीयक रूप से आधुनिकीकरण में भी मदद करेगा।
- यह स्वदेशी खरीद प्रक्रिया को तीव्र करेगा और आयात निर्भरता को कम करेगा जो सरकार के मेक इन इंडिया पहल का भी एक भाग है।

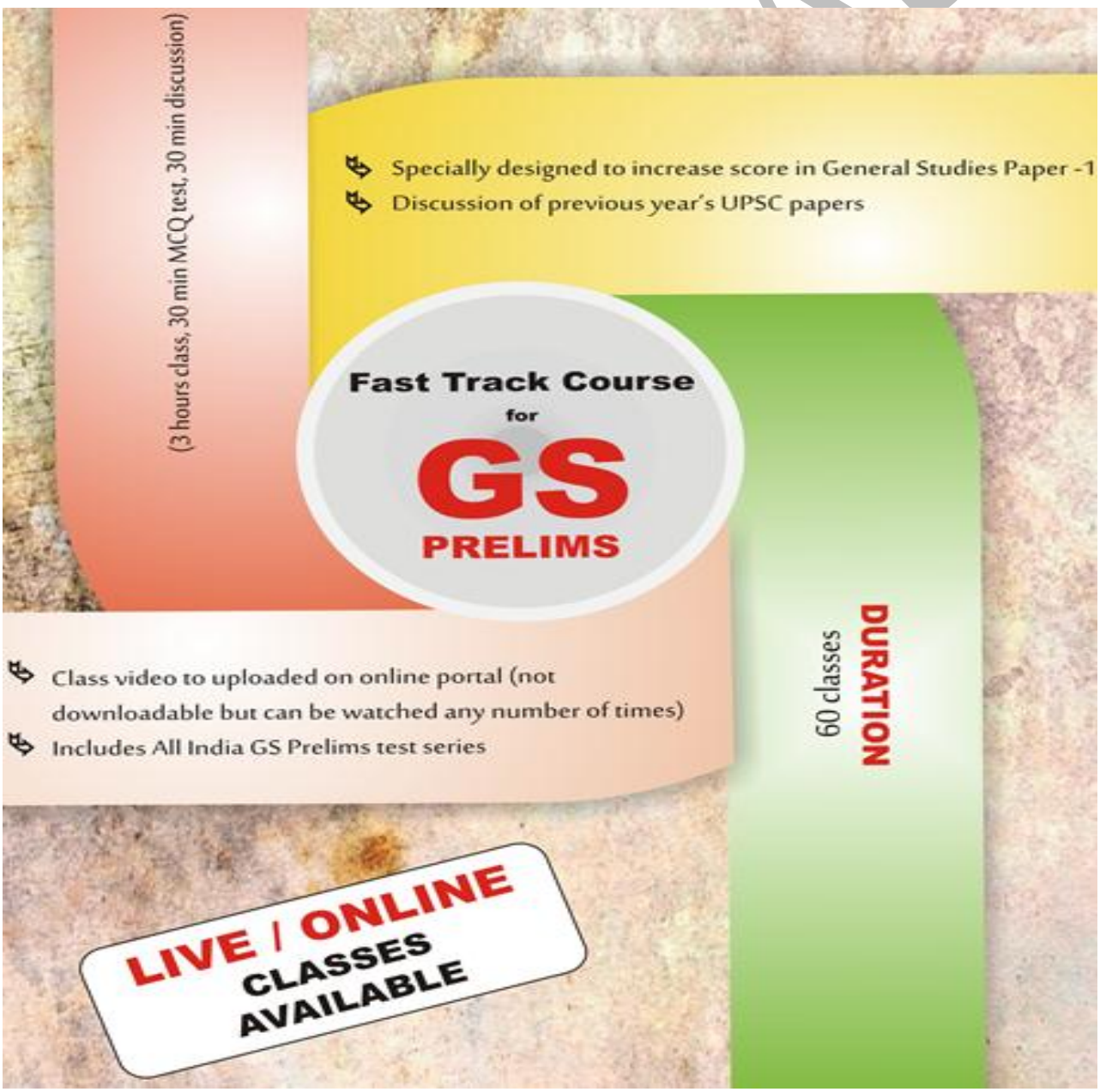

4. बिटक्वायन

(BITCOIN)

सुर्ख़ियों में क्यों?

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) तस्करों के खातों में लगभग 500 बिटक्वायन जब्त करने की तैयारी में है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- यह देश में आपराधिक जांच में आभासी (virtual) एवं अविनियमित मुद्रा की अभी तक की पहली जब्ती है।
- जहां आपराधिक जांच एजेंसियों ने अपनी संबंधित जांच में सदैव नकदी और अचल परिसंपत्ति जैसी विभिन्न प्रकार की परिसंपत्तियां जब्त की हैं, वहीं भ्रष्ट परिसंपत्तियों की जब्ती के भाग के रूप बिटक्वायन को कभी भी जमा नहीं किया गया था।

पृष्ठभूमि

- इसमें जांच एजेंसियों द्वारा पकड़े जाने से बचने के लिए बिटक्वायन की अवैध भुगतान पद्धति का उपयोग करके 'डार्कनेट' नामक इंटरनेट के गुप्त रूप पर मादक औषधियों और मादक अनुपूरक(supplement) की तस्करी सम्मिलित है।
- 'डार्कनेट' एक ऐसे गुप्त इंटरनेट नेटवर्क को संदर्भित करता है जिस पर केवल विशेष सॉफ्टवेयर विन्यास(configuration) और प्राधिकरण द्वारा ही पहुँच स्थापित की जा सकती है। सामान्य संचार प्रोटोकॉल और पोर्ट का उपयोग करके इसका पता लगाना कठिन है।

बिटक्वायन के बारे में

- बिटक्वायन, डिजिटल मुद्रा का एक रूप है, इसे इलेक्ट्रॉनिक रूप से निर्मित और आयोजित किया जाता है। इसे कोई भी नियंत्रित नहीं करता है।
- बिटक्वायन, डॉलर या यूरो की तरह मुद्रित रूप में नहीं होते हैं, इन्हें लोगों द्वारा तथा बढ़ते व्यवसायों एवं सम्पूर्ण विश्व में कार्यरत कंप्यूटरों द्वारा गणितीय समस्याओं का हल करने वाले सॉफ्टवेयर का उपयोग कर निर्मित किया जाता है।

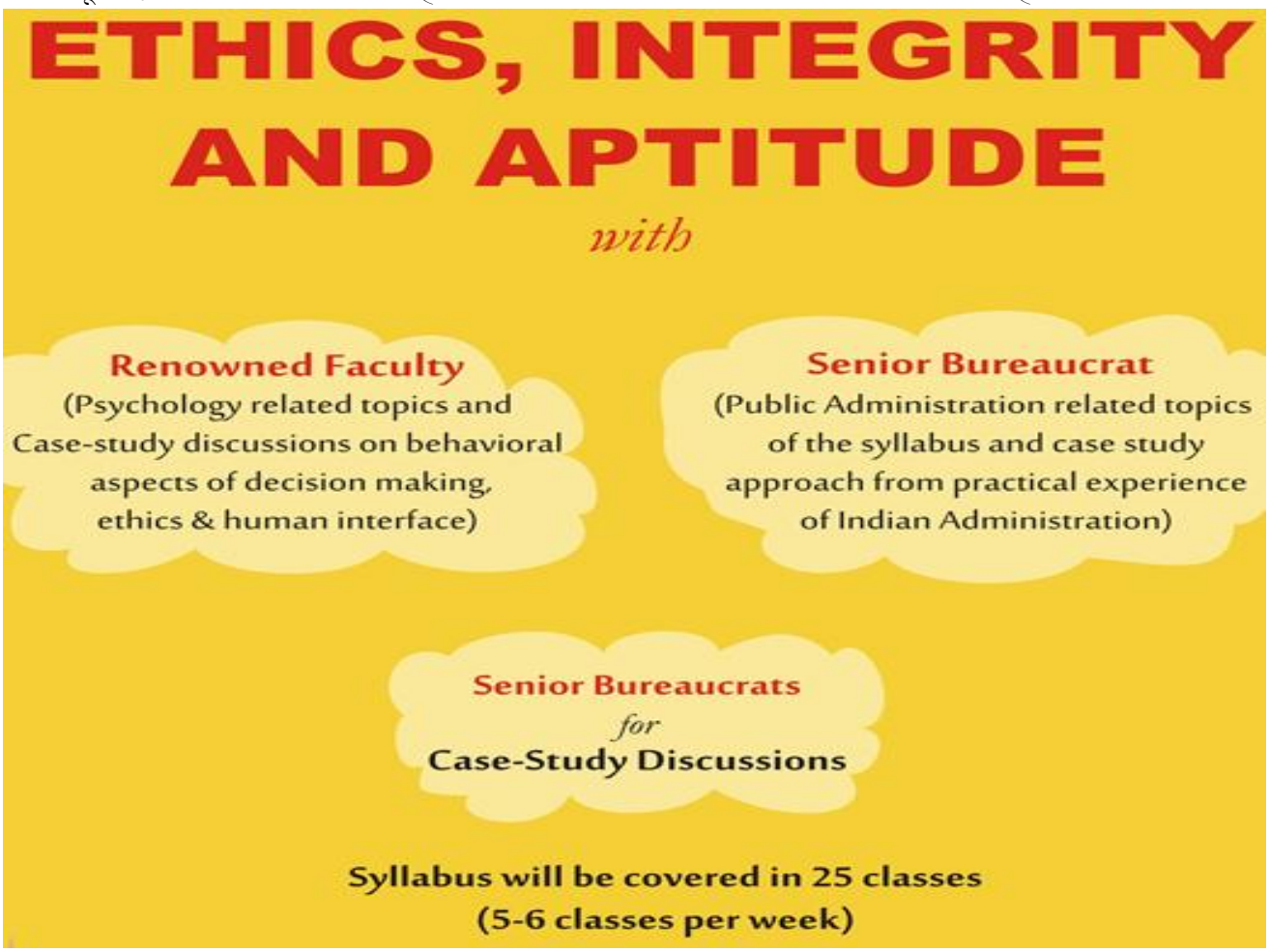

5. राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र (NCCC)

(NATIONAL CYBER COORDINATION CENTRE [NCCC])

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वय केंद्र भारत में प्रस्तावित एक साइबर सुरक्षा और ई-निगरानी संस्था है। इसका उद्देश्य संचार मेटाडाटा की जाँच करना और अन्य एजेंसियों की खुफिया सूचना संग्रहण गतिविधि में समन्वय करना है।

- सरकार की साइबर सुरक्षा शाखा **इंडियन कम्प्यूटर इमरजेन्सी रिस्पांस टीम (CERT-In)** NCCC की स्थापना में मुख्य प्रबंधन एजेन्सी होगी।
- इस केंद्र में विभिन्न क्षेत्र विशेष से सम्बद्ध शीर्ष विशेषज्ञ होंगे और अन्य देशों जैसे- अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के समतुल्य संस्थाओं की तरह इसका संचालन किया जाएगा।
- NCCC से विभिन्न खुफिया एजेंसियों के बीच नेटवर्क घुसपैठ और साइबर हमलों के दौरान समन्वय की उम्मीद है।
- इसके अधिदेश में साइबर खुफिया जानकारी को एजेन्सियों के बीच साझा करना भी शामिल हो सकता है।
- इंटरनेट निगरानी के अलावा NCCC साइबर हमले से उत्पन्न विभिन्न खतरों की भी छानबीन करेगा।
- NCCC देश में साइबर सुरक्षा खतरों के वास्तविक समय निर्धारण की सुविधा देगा और संबंधित एजेंसियों द्वारा सक्रिय कार्यों के लिए रिपोर्ट/एलर्ट भेजेगा।

NCCC से जुडी चिंताऐं

कुछ लोगों ने यह चिन्ता जतायी है कि किसी स्पष्ट गोपनीयता कानून के अभाव में नागरिकों के निजता और स्वतंत्रता के अधिकार का अतिक्रमण हो सकता है।

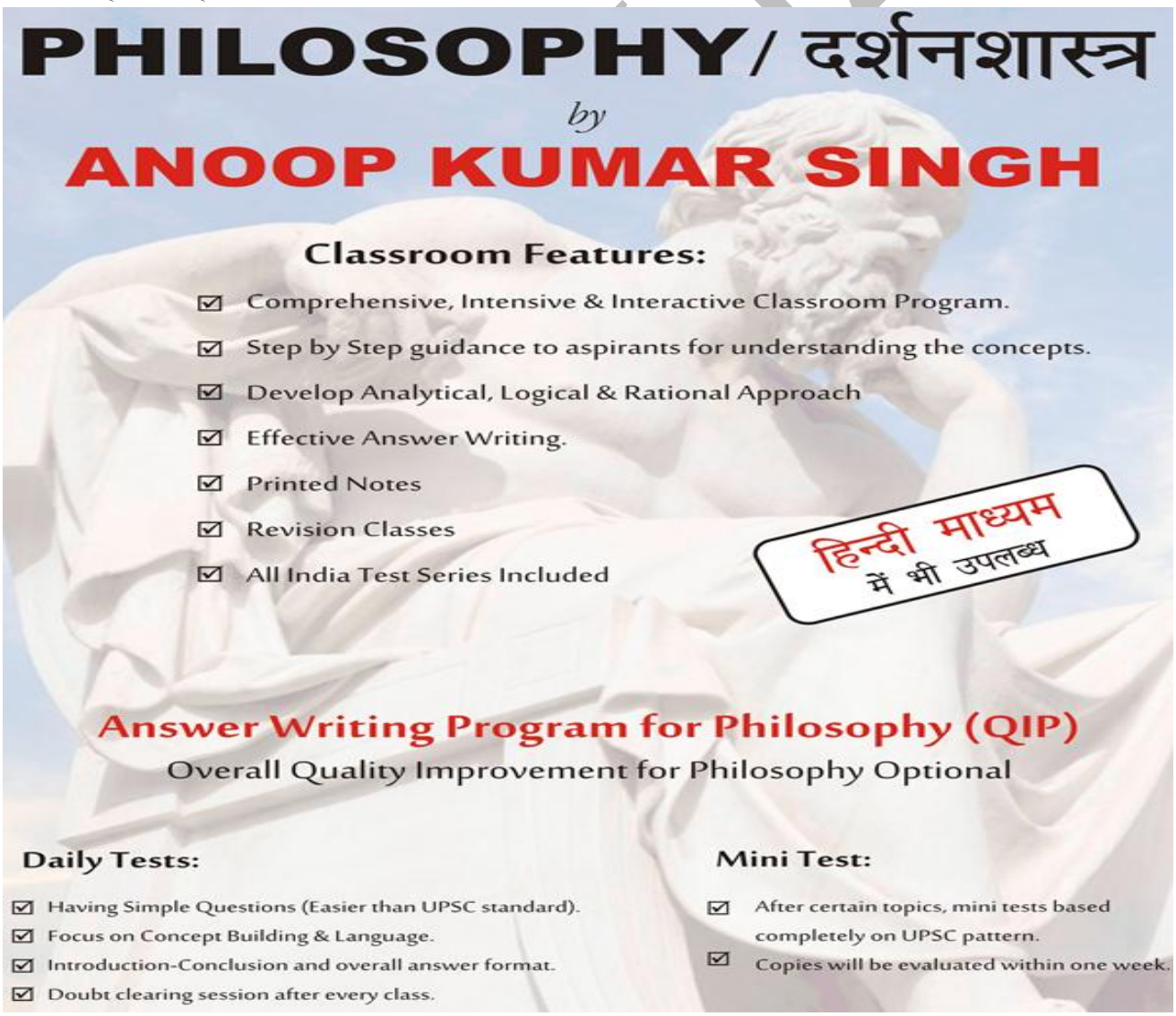

6. मोरमुगाओ

(MORMUGAO)

स्वदेश निर्मित अत्याधुनिक मिसाइल से लैस युद्धपोत का मुम्बई में जलावतरण किया गया।

- प्रोजेक्ट 15B के तहत विशाखापतनम श्रेणी के जहाज मोरमुगाओ का निर्माण सरकार द्वारा संचालित मझागाव डॉक शिप बिल्डर्स लिमिटेड (MDL) द्वारा किया गया है।
- प्रोजेक्ट 15B के तहत निर्मित मिसाइल विध्वंशक वस्तुतः नवीनतम अस्त्रों से सुसज्जित आधुनिक युद्धपोत है। यह अत्यधिक सफल दिल्ली और कोलकाता श्रेणी के क्रम में अगला युद्धपोत है।
- इस युद्धपोत से बराक-8 जैसी लम्बी दूरी वाली मिसाइलें भी दागी जा सकती है। मोरमुगाओ नाम गोवा के Picturesque पत्तन के नाम पर रखा गया है।
- यह युद्धपोत 31-32 समुद्री मील की अधिकतम गति को प्राप्त कर सकता है। यह सतह-से-सतह तथा सतह-से-हवा में मार करने में सक्षम मिसाइलों, पनडुब्बी रोधी रॉकेट लांचरों, मध्यम दूरी के वायु/सतह निगरानी रडार के साथ-साथ मल्टी मिशन निगरानी रडारों तथा अन्य कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से सुसज्जित है।

विशाखापतनम श्रेणी (प्रोजेक्ट15B)

विशाखापतनम श्रेणी (प्रोजेक्ट 15B) स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंशक युद्धपोत है, जो वर्तमान में भारतीय नौसैना के लिए बनाया जा रहा है। कोलकाता श्रेणी के डिज़ाइन पर आधारित विशाखापत्तनम श्रेणी, युद्धपोतों के अति उन्नत संस्करण होगा।

- प्रोजेक्ट 15B उन्नत स्टील्थ तकनीक से लैस होगा। साथ ही यह अत्याधुनिक अस्त्रों और सेन्सरों, जिसमें लंबी दूरी के **सतह-से-वायु में मार करने वाली मिसाइल बराक-8** शामिल है, से भी लैस होगा।
- प्रोजेक्ट 15B, 15A के कोलकाता श्रेणी की तरह अपनी महत्ता बनाए रखेगा, लेकिन इस पोत के संरचना में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है जिससे जहाज की स्टील्थ तकनीक और उन्नत होगी।
- **विशाखापतनम** और **मोरमुगाओ** के बाद कतार में अगला युद्धपोत **पारादीप** है। इसके बाद अगले युद्धपोत का नाम गुजरात के तटीय शहर के नाम पर रखे जाने की आशा है।

7. वायुवाहित पूर्व चेतावनी एवं नियंत्रण प्रणाली

(AIRBORNE EARLY WARNING AND CONTROL SYSTEM)

सुर्ख़ियों में क्यों?

DRDO ने एक वाहक जेट विमान पर कई प्रकार के संवेदकों (sensors) से युक्त एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (AEW&C) प्रणाली विकसित की है। DRDO ने इस हवाई निगरानी प्रणाली को भारतीय वायु सेना के लिए CAB (सेंटर फॉर एयरबोर्न सिस्टम) के सहयोग से विकसित किया है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

यह DRDO और CAB द्वारा विकसित की गयी प्रथम स्वदेशी AEW प्रणाली है। इसे पूर्णतया स्वदेशी प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म EMB-145 के उपयोग द्वारा विकसित कर निर्मित किया गया है।

AEW&C के बारे में:

एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (AEW&C) से लैस विमान, विमानों, मिसाइलों, जहाजों और वाहनों का पता लगाने एवं उन पर नज़र रखने हेतु अभिकल्पित रडार प्रणाली हैं। ये मित्र सेना को निर्देशित करने हेतु संकेत और नियंत्रण प्रदान करते हैं।

भारतीय वायु सेना के लिए AEW&C की उपयोगिता

- इसकी तीक्ष्ण दृष्टि एवं सुनने की तेज क्षमता की मदद से दुश्मन के भीतरी क्षेत्र से भी खतरों का पता लगाना, उनकी ट्रैकिंग, पहचान और वर्गीकरण करना।
- पथप्रदर्शन करना और अवरोध (इंटरसेप्शन) का नियंत्रण।
- वायुवीय स्थिति की तस्वीर तथा इसमें लगे भिन्न-भिन्न संवेदकों से प्राप्त आंकड़ों का समेकन करना।

AEW&C प्रणाली से संबंधित आधारभूत तथ्य

- इस प्रणाली के लिए चयनित जेट प्लेटफॉर्म, ब्राजील के Embraer EMB-145 का संशोधित संस्करण है।
- इसमें ऑनबोर्ड मिशन प्रणाली को ऊर्जा प्रदान करने हेतु अतिरिक्त विद्युत इकाई की व्यवस्था है। यह मिशन को विस्तार प्रदान के लिए उड़ान के दौरान ईंधन के पुनर्भरण (इन-फ्लाइट री-फ्यूलिंग) के अनुकूल है।
- इसमें दो विकिरण तल व्यूह रचना (radiating planar arrays)की सहायता से 240 डिग्री को कवर करने की व्यवस्था है। ये सक्रिय एंटीना व्यूह रचना इकाई (active antenna array unit: AAAU) में एक के बाद एक लगे होते हैं।
- AAAU को 10x2 एंटीना व्यूह पैनल (antenna array panel), 160 ट्रांसमिट रिसीव मल्टी मॉड्यूल (TRMM) के साथ-साथ बिजली आपूर्ति इकाई और नियंत्रण इकाइयों सहित सभी सहायक उपकरणों को लगाने के अनुकूल अभिकल्पित किया गया है।
- प्रत्येक TRMM, आठ सुसंबद्ध रूप से जुड़े ट्रांसमिट रिसीवर मॉड्यूल्स से बने हैं जो 160 TRMM की अत्यधिक सघन स्थापना सुनिश्चित कर सकते हैं।

VISION IAS

8. काले धन पर अंकुश लगाने हेतु SIT द्वारा पी-नोट्स आंकड़ों की छानबीन

(SIT COMBING P-NOTES DATE TO CURB BLACK MONEY)

सुर्ख़ियों में क्यों?

काले धन पर गठित विशेष जांच दल (SIT) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) के माध्यम से निवेश करने वाले सभी व्यक्तियों से संबंधित पूरे अंतरण मार्ग (transfer trail) और लाभप्राप्तकर्ता स्वामियों का विवरण प्रस्तुत करने को कहा है।

पी-नोट्स क्या हैं?

- पी-नोट्स या पार्टिसिपेटरी नोट्स प्रवासी व्युत्पन्न उपकरण हैं जो अपनी अंतर्निहित परिसंपत्तियों के रूप में भारतीय स्टॉक रखते हैं।
- ये विदेशी निवेशकों को पंजीकरण के बिना भारतीय बाजारों में सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों को खरीदने के लिए अनुमति देते हैं।
- पी-नोट्स ने FIIs के रूप में लोकप्रियता हासिल की है। पंजीकरण की औपचारिकताओं से बचने के लिए और गुमनाम रहने के लिए निवेशकों ने इस मार्ग के माध्यम से शेयरों में निवेश शुरू किया।

सरकार की चिंताएं

- पी-नोट्स के पीछे चिंता का प्राथमिक कारण यह है कि इन साधनों की अनाम प्रकृति की वजह से ये निवेशक भारतीय नियामकों की पहुंच से परे हो सकते हैं।
- इसके अलावा, एक राय यह है कि यह अमीर भारतीयों के साथ मनी लॉन्डरिंग में इस्तेमाल किया जा रहा है, जैसे कि कंपनियों के प्रमोटरों द्वारा इसका प्रयोग बेहिसाब धन को वापस लाने और अपने शेयर की कीमतों में हेरफेर करने के लिए किया जा रहा है।

आंकड़ों की छानबीन महत्वपूर्ण क्यों है?

सरकार द्वारा गठित निकाय ने पहली बार इतने बड़े पैमाने पर आंकड़ों की मांग की है, जिसमें घरेलू इक्विटी और ऋण बाजर में पी-नोट्स के माध्यम से काले धन का निवेश करने वाले निवेशकों द्वारा प्रयुक्त अंतरण मार्ग तथा सभी लाभप्राप्तकर्ताओं की जानकारी सम्मिलित है।

इस कदम के पीछे कारण

- SIT को पनामा कानूनी फर्म मोसैक फोंसेक्का (Mossack Fonseca) द्वारा निर्मित कपंनियों से जुड़े व्यक्तियों के बीच कुछ संबंध होने का संदेह है।
- भारत में निवेश होने वाले आउटस्टैंडिंग ODIs (ऑफशोर डेरिवेटिव इंस्ट्रूमेंट्स या अपतटीय व्युत्पन्न उपकरण) का एक बड़ा हिस्सा अर्थात् करीब 31.31 प्रतिशत अति अल्प जनसंख्या वाले केमैन द्वीप से आता है।

वर्तमान में, देश में करीब 2.1 लाख करोड़ रुपये की पी-नोट परिसंपत्तियां हैं। यह कुल FPI परिसंपत्तियों का 8.4 प्रतिशत है। वर्ष 2007 में यह लगभग 50% था, लेकिन अब घट कर 8.4 प्रतिशत रह गया है।

VISION IAS

9. स्टार्टअप वित्तपोषण के लिए साइबर सिक्यूरिटी प्लेटफ़ॉर्म

(CYBER SECURITY PLATFORM TO FUND STARTUPS)

सुर्ख़ियों में क्यों?

- भारत सरकार और NASSCOM साइबर सिक्यूरिटी एंड सलूशन कंपनियों के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म तैयार करने के लिए एक साथ आये हैं।
- इसका लक्ष्य साइबर सिक्यूरिटी स्टार्ट-अप के लिए एक विशेष कोष बनाना है।
- यह देशी साइबर सिक्यूरिटी कंपनियों के लिए पहला प्लेटफ़ॉर्म होगा।

महत्व

- इंटरनेट सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए स्थानीय समाधान का प्रस्तुत करना।
- क्षेत्र में स्वदेशी विशेषज्ञता को बढ़ावा देने हेतु
- स्थानीय कंपनियों को देश के डिजिटल सुरक्षा प्रौद्योगिकी के बजट में हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद करने के लिए।

डाटा सिक्यूरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (DSCI), जो उद्योग संगठन NASSCOM का भाग है, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (DeITY) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के साथ प्लेटफ़ॉर्म और वित्तीयन के लिए सहयोग करेगा।

10. भारत-चीन संयुक्त सैन्य अभ्यास

(INDIA-CHINA JOINT ARMY EXERCISE)

- भारत और चीन के बीच संपर्क और सहयोग बढ़ाने के लिए चल रही पहल के भाग के रूप में भारत और चीन की सेनाओं ने दूसरे संयुक्त अभ्यास "चीन-भारत सहयोग 2016" का आयोजन किया।
- यह सीमा रक्षा सहयोग करार, 2013 के प्रावधानों के अंतर्गत 6 फरवरी, 2016 को आयोजित पहले अभ्यास की अगली कड़ी थी।
- भारत से चुशूल गैरीसन और चीन से मोल्डो गैरीसन के सैनिकों ने इस अभ्यास में भाग लिया।
- एक दिन तक चले मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास में भूकंप पीड़ित एक भारतीय सीमावर्ती गांव की सिम्युलेटेड स्थिति बनाई गई, जिसके बाद संयुक्त दल ने बचाव कार्य, निकासी और चिकित्सा सहायता प्रदान किया।
- यह अभ्यास प्राकृतिक आपदा की स्थिति में सीमावर्ती जनसंख्या का आत्मविश्वास बढ़ाने में सफल रहा और साथ ही इससे पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के साथ-साथ सीमा की रखवाली करने वाले दोनों बलों के बीच सहयोग के स्तर में भी वृद्धि हुई।
- यह संयुक्त अभ्यास, भारत-चीन संयुक्त अभ्यास की 'हैंड इन हैंड' श्रृंखला और सहयोग बढ़ाने तथा भारत और चीन के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ शांति और सौहार्द बनाए रखने के दोनों देशों के प्रयास का पूरक है।